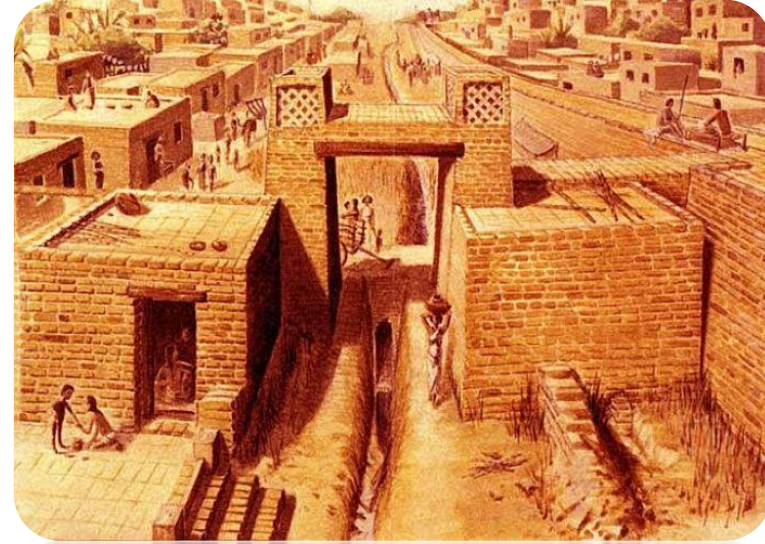


**भारत का
इतिहास
सिंधु घाटी
सभ्यता से प्रारंभ
होता है**

**Indus Valley
Civilisation
- Mature Phase
(c. 2600-1900 BCE)**



- ❑ इस सभ्यता को हम हड़प्पा सभ्यता के नाम से भी जानते हैं। We also know this civilization by the name of Harappan civilization.
- ❑ यह सभ्यता लगभग 2500 ईस्वी पूर्व दक्षिण एशिया के पश्चिमी भाग में फैली हुई थी, जो कि वर्तमान में पाकिस्तान तथा पश्चिमी भारत के नाम से जाना जाता है। This civilization spread in the western part of South Asia around 2500 AD, which is currently known as Pakistan and Western India.

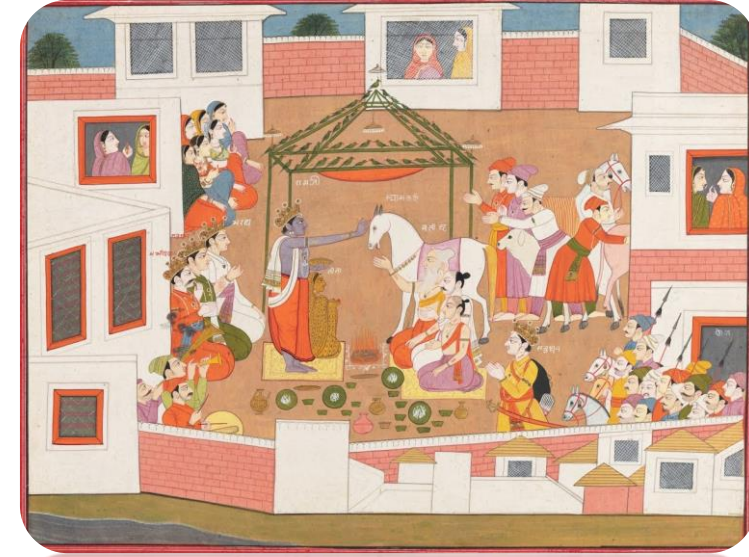


- 1921 और 1922 में, भारतीय पुरातत्व विभाग द्वारा किये गए सिंधु घाटी के उत्खनन से प्राप्त अवशेषों से हड़प्पा तथा मोहनजोदड़ो जैसे प्राचीन नगरों की जानकारी प्राप्त हुई। In 1921 and 1922, excavations in the Indus Valley by the Archaeological Survey of India revealed the ancient cities of Harappa and Mohenjodaro.
- भारतीय पुरातत्व विभाग के तत्कालीन निदेशक जॉन मार्शल ने सन 1924 में सिंधु घाटी में एक नई सभ्यता की खोज की घोषणा की। John Marshall, the then Director of the Indian Archaeological Department, announced the discovery of a new civilization in the Indus Valley in 1924.



हड़प्पा सभ्यता के चरण Stages of Harappan Civilization

- ❑ प्रारंभिक हड़प्पा संस्कृति अथवा प्राक् हड़प्पा संस्कृति : 3200 ईसा पूर्व से 2600 ईसा पूर्व Early Harappan Culture or Pre-Harappan Culture: 3200 BC to 2600 BC
- ❑ हड़प्पा सभ्यता अथवा परिपक्व हड़प्पा सभ्यता : 2600 ईसा पूर्व से 1900 ईसा पूर्व Harappan Civilization or Mature Harappan Civilization: 2600 BC to 1900 BC



- उत्तरवर्ती हड़प्पा संस्कृति अथवा परवर्ती हड़प्पा संस्कृति : 1900 ईसा पूर्व से 1300 ईसा पूर्व
Later Harappan Culture or Late Harappan Culture: 1900 BC to 1300 BC

सिंधु घाटी सभ्यता का विस्तार/आकार

Extent/Size of Indus Valley Civilization

- हड़प्पा सभ्यता भारतीय उपमहाद्वीप के लगभग 13 लाख वर्ग किलोमीटर के क्षेत्रफल में त्रिभुजाकार स्वरूप में फैली हुई थी। The Harappan civilization was spread in a triangular shape over an area of about 13 lakh square kilometers of the Indian subcontinent.



□ यह उत्तर में 'मांडा' (जम्मू कश्मीर) तक, दक्षिण में 'दैमाबाद' (महाराष्ट्र) तक, पूर्व में 'आलमगीरपुर' (उत्तरप्रदेश) तक और पश्चिम में 'सुत्कागेंडोर' (पाकिस्तान) तक विस्तारित थी। It extended up to 'Manda' (Jammu and Kashmir) in the north, up to 'Daimabad' (Maharashtra) in the south, up to 'Alamgirpur' (Uttar Pradesh) in the east and up to 'Sutkagendor' (Pakistan) in the west.



- ❑ यह सभ्यता सौराष्ट्र, राजस्थान, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश इत्यादि क्षेत्रों में भी विस्तृत थी | This civilization was also widespread in areas like Saurashtra, Rajasthan, Haryana, Western Uttar Pradesh etc.
- ❑ सिंधु घाटी सभ्यता के अंतर्गत प्रमुख नगर/स्थल :- Major cities/sites under Indus Valley Civilization: –

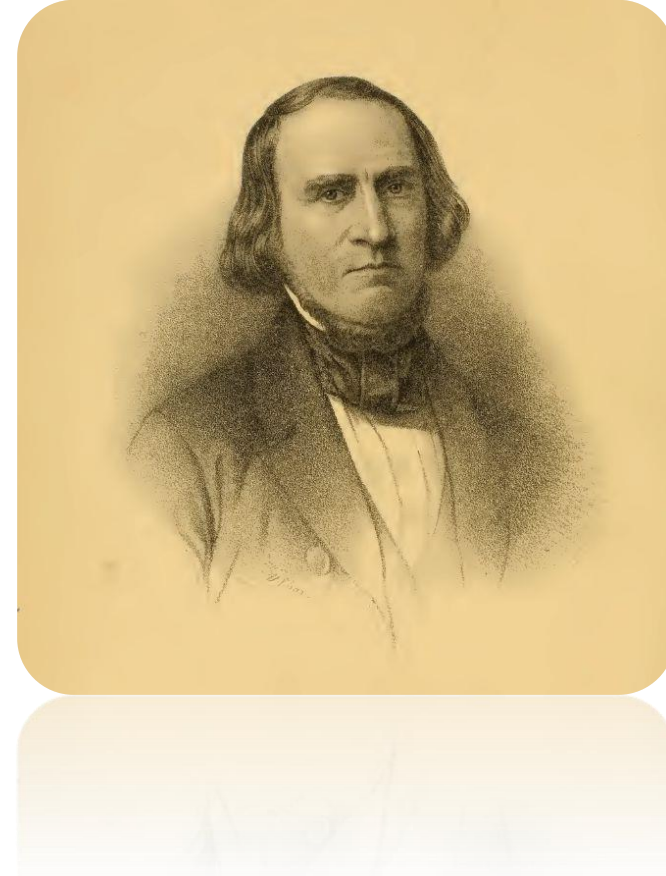


हड़प्पा Harappa

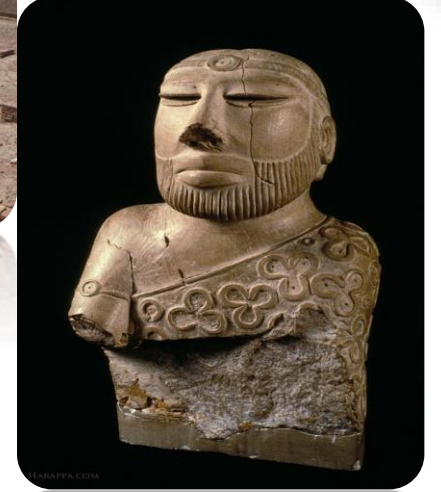
- ❑ यह स्थल वर्तमान पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के मांट गोमारी जिले में स्थित था This site was located in Mont Gomari district of Punjab province of present-day Pakistan.
- ❑ रावी नदी के तट पर स्थित situated on the banks of river Ravi



- ❑ सबसे पहले 1826 ईस्वी में एक अंग्रेज पर्यटक चार्ल्स मेसन ने हड़प्पा के टीले के विषय में जानकारी दी थी। For the first time in 1826 AD, an English tourist Charles Mason gave information about the Harappa mound.
- ❑ यहाँ सबसे पहले 1921 में उत्खनन कार्य किया गया था। यह कार्य दयाराम साहनी के नेतृत्व में किया गया। The first excavation work was done here in 1921. This work was done under the leadership of Dayaram Sahni.



- ❑ पूर्वी तथा पश्चिमी भाग से टीलों की प्राप्ति
Acquisition of mounds from eastern and western parts
- ❑ पश्चिमी भाग दुर्ग टीला तो वही पूर्वी नगरिय टीला। The western part is the fort mound and the eastern part is the city mound.
- ❑ महामातदेवी (मिट्टी की नारी मूर्तियाँ) प्राप्त
Mahamatdevi (clay female idols) received

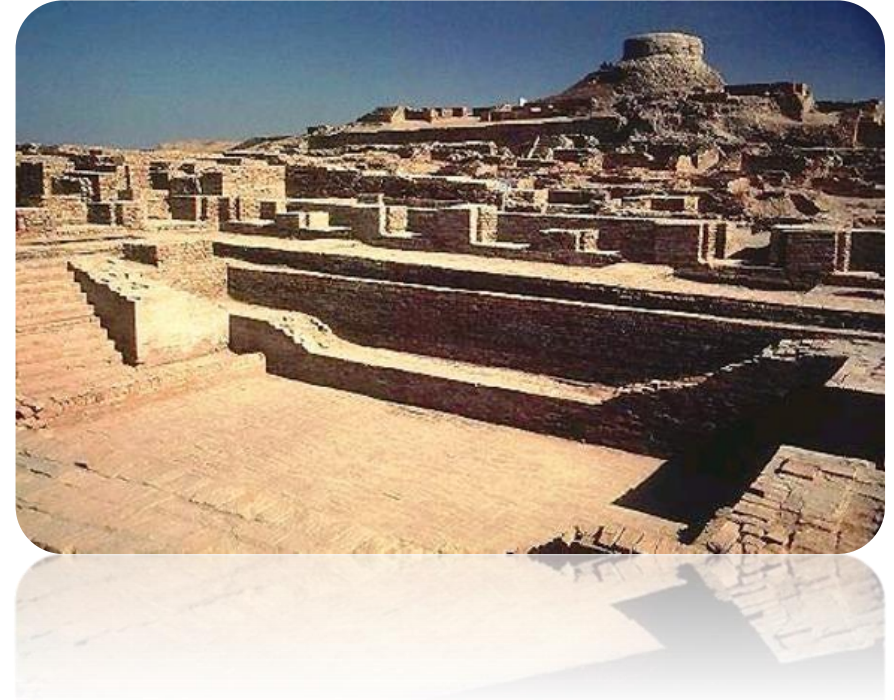


- ❑ एक मूर्तिका में स्त्री के गर्भ से निकलता हुआ एक पौधा दिखाया गया है - पृथ्वी माता की मूर्ति A sculpture shows a plant emerging from a woman's womb - Statue of Mother Earth
- ❑ कब्रिस्तान में दो प्रकार की कब्र Two types of graves in the cemetery
 1. 'H' बाहरी H external
 2. 'R-37' सामान्य लोग R-37 normal people
- ❑ फर्श की दरारों से गेहूँ, जौ के दाने प्राप्त Wheat and barley grains obtained from cracks in the floor



इस नगर की विशेषता specialty of this city

- ❑ यह नगर मोहनजोदड़ो से सिंधु नदी के माध्यम से जुड़ा हुआ था। This city was connected to Mohenjodaro through the Indus river.
- ❑ हड़प्पा से हमें एक विशाल अन्नागार के साक्ष्य मिले हैं। We have found evidence of a huge granary from Harappa.



□ यह सिंधु घाटी सभ्यता की खुदाई में प्राप्त हुई तमाम संरचनाओं में दूसरी सबसे बड़ी संरचना है। इस अन्नागार में 6-6 की 2 पंक्तियों में कुल 12 विशाल कक्ष निर्मित पाए गए हैं। This is the second largest structure among all the structures found in the excavation of the Indus Valley Civilization. A total of 12 huge rooms have been found built in 2 rows of 6 each in this granary.



- ❑ हड़प्पा से हमें एक पीतल की इक्का गाड़ी मिली है। इसी स्थल पर स्त्री के गर्भ से निकलते हुए पौधे वाली एक मृणमूर्ति भी मिली है। We have found a brass Ikka cart from Harappa. A clay figurine of a plant emerging from a woman's womb has also been found at the same site.

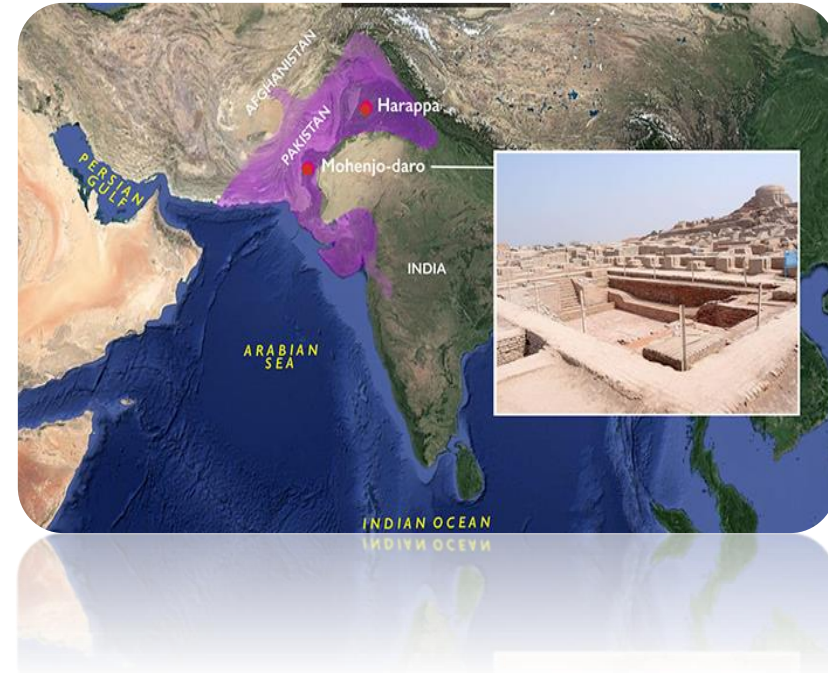


- समूची हड़प्पा सभ्यता में हमें सबसे अधिक अभिलेख युक्त मुहरें यहीं से ही प्राप्त हुई हैं। It is from here that we have found the largest number of seals containing inscriptions in the entire Harappan civilization.
- इस स्थल पर आबादी वाले क्षेत्र के दक्षिणी भाग में एक कब्रिस्तान प्राप्त हुआ है, जिसे विद्वानों ने 'कब्रिस्तान H' का नाम दिया है। A cemetery has been found at this site in the southern part of the populated area, which scholars have named 'Cemetery H'.

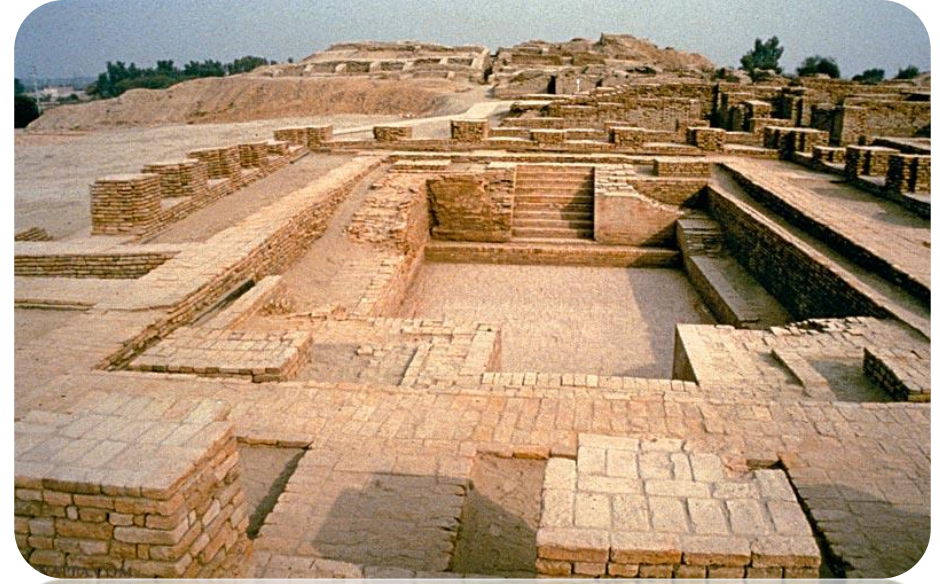


मोहनजोदड़ो Mohenjodaro:

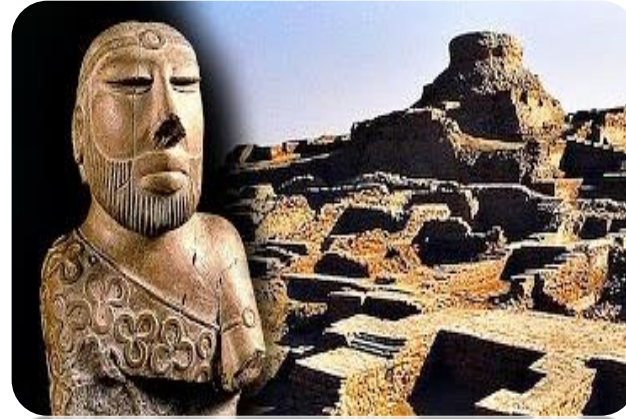
- ❑ मोहनजोदड़ो अर्थ होता है- 'मृतकों का टीला'।
Mohenjodaro means 'mound of the dead'.
- ❑ यह वर्तमान पाकिस्तान में सिंध के लरकाना जिले में स्थित है। It is located in Larkana district of Sindh in present-day Pakistan.
- ❑ यह स्थल सिंधु नदी के तट पर स्थित है। This site is situated on the banks of river Indus.



- ❑ इस स्थल पर उत्खनन कार्य 1922 ईस्वी में श्री राखाल दास बनर्जी के नेतृत्व में हुआ था।
Excavation work at this site was done in 1922 AD under the leadership of Shri Rakhal Das Banerjee.
- ❑ इस स्थल से हमें एक विशाल स्नानागार के साक्ष्य प्राप्त हुए हैं। जिसमें नीचे जाने के लिए सीढ़ियां बनी हुई थी। (नाप 12 मीटर लंबा, 7 मीटर चौड़ा, तथा 2.5 मीटर गहरा। We have found evidence of a huge bathhouse from this site. In which there were stairs to go down. (Measures 12 meters long, 7 meters wide, and 2.5 meters deep.



- ❑ अन्नागार की प्राप्ति (55*37 मीटर)। सिंधु सभ्यता की सबसे बड़ी इमारत। Granary realization (55*37 meters). The largest building of the Indus Valley civilization.
- ❑ नर्तकी की कांस्य प्रतिमा (11.5 सेमी लम्बी) पूर्णतः नग्न है। दायीं भुजा कमर पर टिकाये तथा कन्धे तक चूड़ियों से भरी बायीं भुजा सीधी ओर लटकी है। यह ढलाई की सिक्थ विधि (मधूच्छिष्ट) से निर्मित है। The bronze statue of the dancer (11.5 cm tall) is completely nude. The right arm rests on the waist and the left arm, filled with bangles till the shoulder, hangs straight. It is made by wet method of casting (Madhuchhishta).



- ❑ यहाँ सड़कों का जाल बिछा हुआ था। जो एक दूसरे को 90° पर काटती थी। There was a network of roads here. which intersect each other at 90°
- ❑ हमें मुहुरों की सर्वाधिक प्राप्ति मोहनजोदड़ो से हुई है। We have got maximum number of seals from Mohenjodaro.
- ❑ उल्लेखनीय है कि हड़प्पा स्थल से सर्वाधिक अभिलेख युक्त मुहुरें प्राप्त हुई हैं। It is noteworthy that seals containing maximum inscriptions have been found from the Harappa site.



चन्हूदड़ो Chanhudaro:

- ❑ चन्हूदड़ो वर्तमान में पाकिस्तान में सिंधु नदी के तट से 20 किलो मीटर दूर स्थित है।
Chanhudaro is currently situated 20 kilometers away from the banks of Indus River in Pakistan.
- ❑ इसकी खोज 1931 ईस्वी में एन. जी. मजूमदार ने की। It was discovered by N. in 1931 AD.
Yes. Majumdar did it.
- ❑ यहाँ पर उत्खनन कार्य 1935 ईस्वी में अर्नेस्ट मैके के नेतृत्व में किया गया था। The excavation work here was done under the leadership of Ernest Mackay in 1935 AD.



□ यहाँ पर शहरीकरण का अभाव था। इस स्थल से विभिन्न प्रकार के मनके, उपकरण, मुहरें इत्यादि प्राप्त हुई हैं। इस आधार पर विद्वानों द्वारा अनुमान लगाया जाता है की चन्हूदड़ो में मनके निर्माण का कार्य होता था। इसीलिए इस स्थल को सिंधु घाटी सभ्यता का औद्योगिक केंद्र भी माना जाता है। There was lack of urbanization here. Various types of beads, tools, seals etc. have been found from this site. On this basis, it is estimated by the scholars that the work of making beads was done in Chanhudaro. That is why this place is also considered the industrial center of the Indus Valley Civilization.



- ❑ एक मात्र ऐसा स्थल है, जहाँ से हमें वक्राकार ईंटों के साक्ष्य प्राप्त होते हैं। This is the only place from where we get evidence of curved bricks.
- ❑ एक मात्र नगर जहाँ दुर्ग नहीं है The only city without a fort



सुत्कागेंडोर Sutkagendor:

- ❑ यह 'दाश्क' नदी के किनारे स्थित हड़प्पा सभ्यता का सबसे पश्चिमी स्थल है। This is the westernmost site of the Harappan civilization situated on the banks of the 'Dashk' river.
- ❑ खोज 1927 ई० में ऑरल स्टाइन द्वारा। Invented by Orel Stein in 1927.



- ❑ 1962 ई० में जार्ज डेल्स ने इसका निरीक्षण किया और दुर्ग, बन्दरगाह तथा निचले नगर का पता लगाया। In 1962, George Dales inspected it and explored the fort, port and lower town.
- ❑ इसका दुर्ग एक प्राकृतिक चट्टान पर स्थित था। Its fort was situated on a natural rock.



- ❑ यहाँ से कोई मुहर अथवा उत्कीर्ण वस्तु की प्राप्ति नहीं। No seal or engraved object has been found from here.
- ❑ इस नगर को सिन्धु तथा मेसोपोटामिया के मध्य होने वाले समुद्री व्यापार को आसान बनाने तथा उसकी देख-रेख के उद्देश्य से बसाया गया था। This city was established with the aim of facilitating and maintaining the maritime trade between Indus and Mesopotamia.



मोल्काकोह Molkakoh

- सुत्कागेनडोर के पूर्व में शादीकौर नदी के तट पर स्थित Situated on the banks of river Shadikaur, east of Sutkagendor.

